|  |
| --- |
| 09. August |
| **Fest der heiligen Theresia Benedicta vom Kreuz (Edith Stein)** |
|  **Schutzpatronin Europas** |
| Lesung: Est 4,17k.17l-m.17r-t; Evangelium: Joh 4, 19-24 |
|  |  |  |
| Eröffnung: | GL 81, 1+6 | Lobet den Herren |
|  | GL 481, 1+4+5 | Sonne der Gerechtigkeit |
|  |  |  |
| Kyrie: | GL 163, 6 oder 7 | Herr Jesus |
|  |  |  |
| Gloria: | GL 170 | Allein Gott in der Höh |
|  |  |  |
| Antwortgesang: | Psalm 18, 2-3.5.7a.17.20.29.50 |
|  | Kehrvers:  |  |
|  | GL 629, 3 | Ich gehe meinen Weg vor Gott |
|  | oder |  |
|  | GL 447 (Kanon) | Die Gott suchen |
|  |  |
| Halleluja-Ruf: | GL 174, 3 |  |
|  | Vers: |  |
|  | *So spricht der Herr:* |
|  | *Ich bin das Licht der Welt.* |
|  | *Wer mir nachfolgt, hat das Licht des Lebens.* |
|  |  |  |
|  |  |  |
| Gabenbereitung: | GL 185, 1+2 | Du hast, o Herr, dein Leben |
|  | GL 364, 1+3+5 | Schönster Herr Jesu |
|  | GL 470, 1+4+5 | Wenn das Brot, das wir teilen |
|  | GL 460, 1+2+5 | Wer leben will |
|  |  |  |
| Sanctus: | GL 195 | Heilig |
|  |  |  |
| Agnus Dei: | GL 208 | Christe, du Lamm Gottes |
|  |  |  |
| Danksagung:  | GL 439, 1-4 | Erhör, o Gott, mein Flehen  |
|  |  | (Text ist E. Stein zugeschrieben) |
|  | Vorschlag, wenn Lied unbekannt: |
|  | GL 365 | „Meine Hoffnung“ als Kehrvers |
|  | zwischen den gesprochenen Strophen des Liedes GL 439 |
|  |  |  |
| Schluss: | GL 777, 1+4!+5 | Kommt, lasst uns |